भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1736
जिसका उत्तर 31 जुलाई, 2023/9 श्रावण, 1945 (शक) को दिया गया

गैर-निष्पादनकारी आस्तियों में गिरावट

1736. श्री शंकर लालवानी:
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल:
श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:
डॉ. अरविंद कुमार शर्मा:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बैंकों की गैर-निष्पादनकारी आस्तियों (एनपीए) में लगातार गिरावट आ रही है;
(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों का बैंक-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) गैर-निष्पादनकारी आस्तियों को कम करने और लम्बित मामलों के निपटान के लिए क्या विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं/उठाए जाने की संभावना है;
(घ) इसके अन्तर्गत क्या प्रगति की गई है और अब तक क्या लाभ प्राप्त हुआ है; और
(ङ) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए इन्द्रधनुष मिशन के कार्यान्वयन के संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. भागवत कराड)

(क) से (घ): विगत छः वर्ष में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का सकल एनपीए, जो दिनांक 31.3.2018 की स्थिति के अनुसार 10,36,187 करोड़ रुपए (11.18% का सकल एनपीए अनुपात) था, वह घटकर दिनांक 31.3.2023 की स्थिति के अनुसार 5,71,515 करोड़ रुपए (3.87% का सकल एनपीए अनुपात) हो गया है (आरबीआई के अनन्तिम आंकड़े)। विगत तीन वित्तीय वर्ष के दौरान एससीबी के सकल एनपीए का बैंक-वार ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

एनपीए की वसूली और उसे कम करने के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं, जिससे एससीबी द्वारा विगत छः वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणों को बट्टे खाते डाले जाने के साथ-साथ एनपीए से कुल 8,19,211 करोड़ रुपए की वसूली की जा सकी है (वित्तीय वर्ष 2022-23 के संबंध में आरबीआई के अनन्तिम आंकड़े)। इन उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

(1) दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के कारण ऋण संस्कृति में परिवर्तन होने से ऋणदाता-कर्जदार के संबंधों में मूलभूत बदलाव आया है, चूककर्ता कंपनी के प्रवर्तकों/स्वामियों से कंपनी का नियंत्रण छीन लिया गया और समाधान प्रक्रिया से इरादतन चूककर्ताओं को प्रतिबंधित किया गया है। इस प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाने हेतु कॉरपोरेट उधारकर्त्ता के व्यक्तिगत गारंटीदाता को आईबीसी के दायरे में लाया गया है।
(2) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम 2002) को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें संशोधन किया गया है।

(3) ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) के वित्तीय अधिकार क्षेत्र को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए किया गया है ताकि वे अधिक मूल्य वाले मामलों पर ध्यान केन्द्रित कर सकें, जिसके फलस्वरूप बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने अधिक वसूली की है।

(4) पीएसबी सुधार एजेंडा के अंतर्गत उधार खातों में समयबद्ध रूप से समाधान के उपाय करने हेतु ~80 ईडब्ल्यूएस ट्रिगर्स तथा तृतीय पक्ष आंकड़ों के उपयोग करके पीएसबी में व्यापक, स्वचलित आरंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) स्थापित की गयी थी।

(5) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने कड़ाई से वसूली हेतु दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल तैयार किया है, परिशुद्ध तथा प्रभावी निगरानी हेतु मंजूरी पूर्व तथा मंजूरी उपरांत अनुवर्ती भूमिकाओं को अलग-अलग किया गया है और बड़े मूल्य वाले खातों की निगरानी के लिए विशेषज्ञता प्राप्त निगरानी एजेन्सियों को कार्य पर लगाया है।

(6) इरादतन चूककर्ताओं को बैंकों अथवा वित्तीय संस्था द्वारा कोई भी अतिरिक्त ऋण मंजूर नहीं किया जाता है तथा उनकी इकाई को पांच वर्ष के लिए नए उपक्रम आरंभ करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

(7) इरादतन चूककर्ताओं तथा कंपनियों जिनके प्रवर्तक/निदेशक इरादतन चूककर्ता हैं, को निधि जुटाने हेतु पूंजी बाजार में जाने से प्रतिबंधित किया गया है।

(8) समाधान योजना को आरंभ में ही अपनाने हेतु उधारदाताओं के लिए अंतर्निहित प्रोत्साहन के साथ दबावग्रस्त आस्तियों की पहचान आरंभ में ही करने, इसकी रिपोर्टिंग करने और समयबद्ध समाधान करने के लिए एक ढांचा उपलब्ध कराने हेतु आरबीआई द्वारा वर्ष 2019 में दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचा जारी किया गया था।

(ङ): सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में सुधार लाने के लिए एक व्यापक ढांचे हेतु अगस्त 2015 में "इंद्रधनुष" योजना आरंभ की थी और संरचनात्मक व नीतिगत परिवर्तन किए थे, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(1) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में तटस्थतापूर्वक उच्च प्रबंधन के चयन के लिए वित्तीय सेवाएं संस्थान ब्यूरो (वर्ष 2016 में स्थापित किया गया पूर्ववर्ती बैंक बोर्ड ब्यूरो) का गठन किया गया है।

(2) समुचित नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद को अलग-अलग करके प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एंड सीईओ) और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष किया गया है।

(3) पीएसबी द्वारा स्व-प्रयास से विनियामकीय पूंजी मानदंडों को पूरा करने में सहायता हेतु और साथ ही अपने कार्य-निष्पादन और क्षमता के आधार पर विकास संबंधी पूंजी को बढ़ाने के लिए बैंकों में पूंजी निवेश किया गया है।

(4) सरकार द्वारा हस्तक्षेप न किए जाने और बैंकों को अपने संगठन के वाणिज्यिक हित को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के संबंध में सरकार ने परिपत्र जारी किया है।

(5) पूर्णकालिक निदेशकों के लिए मुख्य कार्यनिष्पादन संकेतक (केपीआई) का संशोधित ढांचा आरंभ किया गया है, और

(6) ईज सुधारों सहित बैंकिंग सुधार आरंभ किए गए हैं ताकि विभिन्न मामलों, जिनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, ऋण अनुशासन, जोखिम प्रबंधन पद्धतियों को सुदृढ़ बनाना, उत्तरदायित्वपूर्ण उधार, बेहतर अभिशासन, प्रौद्योगिकी को अपनाना, ग्राहकोन्मुख बनाना और वित्तीय समावेशन में सहयोग प्रदान करना, शामिल हैं, का समाधान किया जा सके।

सरकार द्वारा चलाई गई इंद्रधनुष योजना और अन्य सुधारों के परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंक (पीएसबी) लाभ की स्थिति में हैं और इनके पास पर्याप्त पूंजी है और पीएसबी की आस्ति गुणवत्ता तथा प्रावधानीकरण कवरेज अनुपात में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंक (पीएसबी) जिन्हें पहले आरबीआई के त्वरित सुधार प्रक्रिया ढांचे के अंतर्गत रखा गया था, उन्हें पीसीए प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया है।

*****

अनुबंध

'गैर-निष्पादनकारी आस्तियों में गिरावट' के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्र.सं.1736

गत तीन वित्तीय वर्ष के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) का सकल अनर्जक आस्तियों का ब्यौरा

राशि करोड़ रु. में

बैंक	सकल एनपीए		
	31.3.2021 की स्थिति के अनुसार	31.3.2022 की स्थिति के अनुसार	31.3.2023 की स्थिति के अनुसार
अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन	253	227	288
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	1,503	924	981
ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड बैंकिंग ग्रुप लिमिटेड	25	25	-
एक्सिस बैंक लिमिटेड	22,682	18,566	17,019
बंधन बैंक लिमिटेड	5,758	6,380	5,299
बैंक ऑफ बहरीन और कुवैत बी.एस.सी.	14	17	18
बैंक ऑफ बड़ौदा	66,671	54,059	36,764
बैंक ऑफ सीलोन	33	54	50
बैंक ऑफ इंडिया	56,535	45,605	37,686
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	7,780	5,327	4,334
बैंक ऑफ नोवा स्कोटिया	64	64	0
बार्कलेज बैंक पीएलसी	268	111	32
बीएनपी पारिबास	7	6	-
केनरा बैंक	60,288	54,436	46,160
कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	78	117	153
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	29,277	28,156	18,386
सिटीबैंक एन.ए.	991	759	207
सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड	1,893	1,933	1,920
कॉर्पोरेटिव राबोबैंक यू.ए.	372	150	104
क्रेडिट एग्रीकोल कॉर्पोरेट और इनवेस्टमेंट बैंक	3	3	3
सीएसबी बैंक लिमिटेड	393	290	263
सीटीबीसी बैंक कंपनी लिमिटेड	2	1	1
डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड	488	4,534	2,743
डीसीबी बैंक लिमिटेड	1,083	1,290	1,123
डॉयचे बैंक एजी	1,457	2,732	1,748
दोहा बैंक क्यू.पी.एस.सी	27	27	27
इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	643	837	724
ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	564	950	352
फेडरल बैंक लिमिटेड	4,602	4,137	4,184
फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	354	573	288
फर्स्ट रैंड बैंक लिमिटेड	28	-	-
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	14,999	16,101	18,012
हांगकांग और शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	913	644	524
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	40,841	33,295	29,986
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड	36,212	34,115	10,969
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड	4,303	4,469	3,884
इंडियन बैंक	38,455	35,214	28,180
बैंक	**सकल एनपीए**		

	31.3.2021 की स्थिति के अनुसार	31.3.2022 की स्थिति के अनुसार	31.3.2023 की स्थिति के अनुसार
इंडियन ओवरसीज बैंक	16,323	15,299	14,072
इंडसइंड बैंक लिमिटेड	5,795	5,517	5,826
जम्मू व कश्मीर बैंक लिमिटेड	6,955	6,521	5,204
जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	858	757	709
कर्नाटक बैंक लिमिटेड	2,588	2,251	2,293
करूर वैश्य बैंक लिमिटेड	4,143	3,431	1,458
केईबी हाना बैंक	40	40	40
कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड	7,426	6,470	5,768
लक्ष्मी विलास बैंक लिमिटेड	4,845	-	-
मिज़ुहो बैंक लिमिटेड	6	6	6
नैनीताल बैंक लिमिटेड	651	521	448
नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	192	190	347
पीटी बैंक मेबैंक इंडोनेशिया टीबीके	18	-	-
पंजाब एंड सिंध बैंक	9,334	8,565	5,648
पंजाब नैशनल बैंक	1,04,423	92,448	77,328
कतर नेशनल बैंक (क्यू.पी.एस.सी.)	50	53	52
आरबीएल बैंक लिमिटेड	2,602	2,728	2,420
सबेर बैंक	92	41	22
एसबीएम बैंक (इंडिया) लिमिटेड	88	93	97
शिनहान बैंक	128	154	156
शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	-	33	33
सोसाइटी जनरल	79	79	79
सोनाली बैंक	4	4	4
साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड	4,143	3,648	3,708
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	4,674	3,886	3,233
भारतीय स्टेट बैंक	1,26,389	1,12,023	90,928
सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	394	598	191
तमिलनाड मर्कैंटाइल बैंक लिमिटेड	1,085	571	521
धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड	657	534	511
यूको बैंक	11,352	10,237	7,726
उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	1,071	1,284	631
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	89,788	79,587	60,987
यूनाइटेड ओवरसीज बैंक लिमिटेड	75	75	55
यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	-	-	3,767
उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	315	648	432
वूरी बैंक	-	-	8
यस बैंक लिमिटेड	28,610	27,976	4,395

स्रोत: आरबीआई (31.3.2023 *के अनंतिम आंकड़े*)

*****